(घ) कितने एककों के कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं दिया जा रहा है और ऐसे कर्मचारियों की एकक-वार संख्या कितनी है ;

(ङ) क्या सरकार ने इस समस्या को हल करने के लिए कोई कदम उठाए हैं ; और

(च) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी वैंकट स्वामी) : (क) जी हां ।

(ख) से (च) एन.टी.सी. को वित्तीय सहायता की विशेष रिलीज जारी की गई है । अप्रैल 1994 महीने के वेतन तथा मजदूरियों का भुगतान कर दिया गया है यद्यपि कुछ मिलों के मामले में कुछ विलंब हुआ ।

हैंक यार्न की मांग और पूर्ति

7636. श्रीमती सुषमा स्वराज :
श्री राम जेठमलानी :

क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में हथकरघा बुनकरों की हैंक यार्न की वार्षिक अनुमानिक मांग कितनी है और पिछले तीन वर्षों के दौरान देश में इसका औसत वार्षिक उत्पादन कितना रहा है ;

(ख) क्या यह सच है कि देश में हथकरघा बुनकरों की मांग के अनुसार हैंक यार्न का उत्पादन नहीं किया जा रहा है ;

(ग) क्या यह सच है कि हैंक यार्न के वितरण में अनेक खामियां होने के कारण हथकरघा बुनकरों को प्राप्त करने में भारी कठिनाइयां पेश आती हैं ;

(घ) क्या पिछले वर्षों के दौरान सरकार का ध्यान अनेक बार विद्यमान यार्न वितरण व्यवस्था की खामियों की ओर दिलाया गया है ; और

(ङ) यदि हां, तो इसकी वितरण प्रणाली में सरकार द्वारा क्या सुधार किए गए हैं ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी वकट स्वामी) (क) सूत की आवश्यकता कपड़े के ढांचे की मांग और बुनाई के ढांचे पर निर्भर करती है जो क्षेत्र और मौसम के आधार पर भिन्न-भिन्न होती है । आठवीं योजना के अंत तक हथकरघा क्षेत्र में सूत की अनुमानित आवश्यकता लगभग 561 मिलियन किलो ग्राम आंकी गई है । हथकरघा क्षेत्र में-प्रयोग के लिए हैंक यार्न का वार्षिक उत्पादन गत तीन वर्षों में इस प्रकार रहा :-

वर्ष	मात्रा मिलियन कि० ग्रा०
1991-92	364 00
1992-93	386.00
1993-94	416.00 अनुमानित

(ख) जी हां ।

(ग) से (ङ) सूती धागे का उत्पादन और इसका वितरण अधिकांश रूप से निजी क्षेत्र के हाथों में है । तथापि राज्य हथकरघा अभिकरण जैसे:-शीर्ष सहकारी समितियां, राज्य हथकरघा विकास निगम और प्राथमिक समितियां हथकरघा बुनकरों को सूत वितरित करती हैं । राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम भी इन प्रयत्नों में अपना योगदान देता है ।

Exports of textiles to U.S.A.

7637. SHRI ANANTRAY DEVSHANKER DAVE: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Indian textile exports to USA are around 4 billion dollars a year, while American textile exports to India are around 1.7 billion dollars per year;

(b) if so, what are the figures for the last three years for Indo-US trade turnover including textiles;

(c) whether there is any kind of embargo in US on Indian exports; if so, the details thereof;

(d) whether it is a fact that 20 per cent of India's exports go to USA; and

(e) whether it is also a fact that since last several years India has maintained surplus balance of trade with USA?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY): (a) and (b) Exports of Indian textiles (including clothing) to USA were to the tune of 1.38 billion dollars in 1993 while imports of textiles from USA to India were negligible. The India-US bilateral trade, including in textiles, during the last three years were as follows:

Year	Value in Billion
1991	5.200
1992	5.695
1993	7.312

(Source: US Department of Commerce)

(c) At present there is no embargo in US on Indian textile exports. However, textile and clothing export's to the U.S.A. are subject to certain quantitative restraints, applied under the provisions of the Multi Fibre Arrangement (MFR).

(d) Overall Indian exports to USA were about 19 per cent out of its total exports during 1992-93.

(e) India has maintained surplus balance of trade with USA for the last several years.

Cotton Production

7638. SHRI SANJAY DALMIA: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state

(a) what is the expected production of cotton during the current year;

(b) how far it is likely to fall short of the demand;

(c) how much cotton is proposed to be imported in fill up the gap alongwith the price and the countries from which it is to be imported; and

(d) what is the reaction of the textile industry in the entire deal?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY): (a) The expected production of cotton during the current year is estimated to be 125 lakh bales.

(b) Considering the total availability of cotton during the current year at 150.74 lakh bales inclusive of opening stock as against the total consumption (mill plus non-mill plus small spinners) at 125 lakh bales ((app.) there is no shortfall.

(c) Since the import of cotton has been placed under Opening General Licence (OGL) with zero import duty, the imports may take place form various cotton growing states at varying rates depending upon variety of cotton and the country from where it is imported.

(d) The industry has welcomed the Government's decision as it is intended to augment the fibre availability at reasonable prices.

Amendingthe Guidelines of Market Development Assistance Scheme

7639. SHRI GOVIDRAO ADIK: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Government are actively considering amendments in the existing guidelines on Market Development Assistance Scheme (MDA) for the handloom industry?